PM SHRI
Pradhan Mantri ScHools for Rising India
Creating holistic and well-rounded individuals equipped with key 21st Century skills

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF EDUCATION
सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF EDUCATIONAL PLANNING AND ADMINISTRATION

पीएमश्री विद्यालयों के लिए

विद्यालय नेतृत्व विकास

PM ScHools for Rising India

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

01 पीएमश्री विद्यालय का नेतृत्व

02 विद्यालय नेतृत्व : महत्वपूर्ण अवधारणाएँ

03 विद्यालय नेतृत्व को परिभाषित करना

04 पीएमश्री विद्यालय नेतृत्वकर्ता की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना

05 विद्यालय नेतृत्व एवं योग्यता विकास: एक आवश्यक कड़ी

06 दक्षता विकास : रेटिंग स्केल

07 एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता के रूप में आप इन दक्षताओं को कैसे विकसित करेंगे?

08 आइए कुछ प्रमुख दक्षताओं पर चर्चा करें

09-10 विकासशील मानसिकता (ग्रोथ माइंडसेट)

11 दृढ़ता (Grit)

12 अधिगम के सन्दर्भ में विद्यालय नेतृत्व पर प्रासंगिक मॉडल

13 शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व

14 शिक्षक पेशेवर विकास के लिए रणनीतियाँ

15-16 शिक्षाशास्त्र को क्रियान्वित करने के लिए नेतृत्वकर्ता द्वारा उठाये गए कदम

17 विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के सतत् पेशेवर विकास के लिए नेतृत्व विकास मार्ग

18 विद्यालय नेतृत्व विकास: पाठ्यचर्या के 7 प्रमुख क्षेत्र

19 सन्दर्भ

पीएमश्री विद्यालय का नेतृत्व

पीएमश्री विद्यालय नेतृत्वकर्ता सभी को उच्च गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो कि न्यायसंगत, समावेशी एवं आनंददायक हो, छात्रों की विविध सीखने की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करती हो एवं उनकी अद्वितीय दक्षताओं को बढ़ाती हो।

संपूर्ण विद्यालय विकास के लिए पीएमश्री विद्यालय में क्रियान्वयन के क्षेत्र

01 प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा

02 लैंगिक समता

03 21वीं सदी की कौशल आधारित शिक्षा

04 पहुँच एवं प्रतिधारण

05 बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान

06 शिक्षक शिक्षा का सुदृढ़ीकरण

07 आर.टी.ई.

08 गुणवत्ता एवं नवाचार

09 समावेशी शिक्षा

10 व्यवसायिक शिक्षा

11 पर्यावरण के लिए जीवनशैली

विद्यालय नेतृत्व : महत्वपूर्ण अवधारणाएँ

पीएमश्री विद्यालय के एक प्रभावशाली विद्यालय नेतृत्वकर्ता को कई तरह के उपयोग आधारित अवधारणाओं से अच्छी तरह से अवगत होना होगा जैसे कि

दक्षताएँ

शिक्षाशास्त्र

सहयोग

संप्रेषण

पेशेवर विकास

नेतृत्व

मानसिकता

सीखने की संस्कृति का निर्माण

अनुच्छेद 5.16. - स्कूल के प्रधानाचार्य और स्कूल कॉम्प्लेक्स के प्रमुखों के लिए अपने लीडरशिप और मैनेजमेंट कौशल को लगातार विकसित करने के लिए एक समान मॉड्यूलर लीडरशिप/मैनेजमेंट कार्यशालाएँ और ऑनलाइन विकास के अवसर होंगे ताकि वे अपनी सर्वोत्तम प्रैक्टिस को एक दूसरे के साथ साझा कर सकें। इन संस्था प्रमुखों से यह भी अपेक्षित है कि वे प्रति वर्ष 50 घंटो के सीपीडी कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसमें योग्यता और परिणाम-आधारित शिक्षा के आधार पर शैक्षणिक योजनाओं को तैयार करने और लागू करने को केन्द्रित करते हुए लीडरशिप और मैनेजमेंट के साथ-साथ विषयवस्तु और शिक्षण शास्त्र संबंधी कार्यक्रम शामिल होंगे।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०

विद्यालय नेतृत्व को परिभाषित करना

नेतृत्व स्वयं, अन्य व्यक्तियों तथा विद्यालय की वर्तमान परिस्थितियों पर सकारात्मक प्रभाव डालने की प्रक्रिया है।
इस विचार को अभ्यास के स्तर पर समझने के लिए आइए इस वीडियो लिंक को देखें।

https://www.youtube.com/watch?v=c9L3ReT7UuQ

वीडियो पर आधारित चिंतन-मनन के प्रश्न

1. आपको यह वीडियो देखकर कैसा लगा?
2. किसी भी पहल का नेतृत्व करने में 'क्रिया' एक प्रमुख निर्धारक कैसे है?
3. विद्यालय के संदर्भ में नेतृत्व का अभ्यास करने के लिए आप वीडियो से क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं?
4. सहयोगात्मक नेतृत्व से आप क्या समझते हैं?

गतिविधि

अपने व्यक्तिगत एवं पेशेवर अनुभव के आधार पर विद्यालय नेतृत्व को परिभाषित करें।

प्रमुख सन्देश

एक पीएमश्री विद्यालय नेतृत्वकर्ता के रूप में, आपको **"लीडर बाई पोजीशन"** के साथ साथ **"लीडर बाई एक्शन"** के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है।

पीएमश्री विद्यालय नेतृत्वकर्ता की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना

- नियमों एवं विनियमों का पालन
- विद्यार्थियों के प्रवेश एवं भागीदारी के लिए न्यायसंगत नीतियाँ तैयार करना
- फाइलों एवं अभिलेखों का रखरखाव
- वित्तीय प्रशासन
- नियमों के दायरे में योजना बनाना एवं उसका क्रियान्वयन
- सभी हितधारकों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी साझा करना

- कार्यों एवं दिन-प्रतिदिन की प्रक्रियाओं का प्रबंधन करना
- संसाधन आवंटन एवं उनका सर्वोत्तम उपयोग
- हितधारकों के साथ सम्प्रेषण नेटवर्क सुनिश्चित करना
- दलों का प्रबंधन
- बाल मेला, रोजगार मेला, वार्षिक खेल दिवस, सम्मान समारोह, हरित प्रदर्शनी, विज्ञान मेले आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन

- साझा विज़न बनाना
- सहकर्मियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं समुदाय को प्रेरित करना
- सभी हितधारकों का सहयोग लेना
- स्वयं एवं शिक्षकों का सतत् पेशेवर विकास
- शैक्षणिक प्रक्रियाओं एवं नवाचारों का नेतृत्व करना
- अकादमिक पर्यवेक्षण
- प्रगति एवं पाठ्यक्रम सुधार की समीक्षा करना
- संपूर्ण विद्यालय सुधार का नेतृत्व करना

“

नेतृत्व का अर्थ केवल आदेश देना नहीं, बल्कि लोगों को साथ लेकर चलना और उनमें आत्मनिर्भरता जगाना है।

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय

विद्यालय नेतृत्व एवं दक्षता विकास: एक आवश्यक कड़ी

01

अभ्यास-चिंतन-क्रिया की यात्रा में प्रगति करते हुए, एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता से विभिन्न भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को निष्पादित करने के लिए कई दक्षताओं को विकसित करने की अपेक्षा की जाती है।

02

दक्षता किसी विशेष क्षेत्र से जुड़े आवश्यक ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण, व्यवहार एवं मूल्यों का एक संयोजन है।

03

एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता को स्वयं के पेशेवर विकास के लिए कई दक्षताओं को विकसित करने की आवश्यकता है।

04

एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता, विद्यालय संरचनाओं एवं प्रक्रियाओं को प्रभावित करने एवं सकारात्मक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए इन दक्षताओं का प्रदर्शन करता है।

05

नेतृत्वकर्ता अपने व्यवहारों एवं कार्यों से जिन दक्षताओं का प्रदर्शन करते हैं, उसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षकों के पेशेवर विकास एवं विद्यार्थियों के सीखने पर पड़ता है।

06

एक विद्यालय संस्कृति जो कि, उच्च कोटि ज्ञान के आदान-प्रदान, कौशल विकास, कल्याण एवं विद्यार्थियों के सीखने के बेहतर परिणामों को बढ़ावा देती है, निश्चित रूप से वयस्कों एवं विद्यार्थियों दोनों में दक्षता विकास के जटिल समन्वय को प्रदर्शित करती है।

“शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान देना नहीं, बल्कि समाज के लिए जिम्मेदार नागरिक बनाना है, और नेतृत्व इसे संभव बनाता है।

-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

दक्षता विकास : रेटिंग स्केल

यह एक सरल रेटिंग स्केल है जो आपको एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वयं की दक्षताओं का आकलन करने में मदद करता है। आप उपयुक्त कॉलम पर टिक कर सकते हैं, जहाँ आप वर्तमान में स्वयं को देख पाते हैं, एवं अपनी दक्षता के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। रेटिंग स्केल में, 1 सबसे कम एवं 5 उच्चतम है।

नेतृत्व की दक्षताएँ	1	2	3	4	5
शारीरिक एवं मानसिक					
सामाजिक – भावनात्मक					
आत्म चिंतन					
संप्रेषण					
विकासशील मानसिकता (Growth mindset)					
दृढ़ता					
अभिप्रेरणा					
सहयोग					
कोचिंग					
मेंटरिंग					
कार्यों एवं व्यवहारों का प्रदर्शन (Demonstration)					
रोल मॉडलिंग					
प्राथमिकता तय करना					
अनुकूलन क्षमता (Adaptability)					
बहु-कुशलता					
पर्यवेक्षण (Supervision)					
परामर्श					
विवाद समाधान					
डिजिटल प्रवाह (Digital fluency)					
समस्या-समाधान					
नवाचार					
निर्णय क्षमता					
प्रतिस्कंदन (Resilience)					

“

नेतृत्व का मतलब है स्वयं को एक उदाहरण बनाना ताकि दूसरे भी उस रास्ते पर चलें।

-महात्मा गांधी

एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता के रूप में आप इन दक्षताओं को कैसे विकसित करेंगे?

रणनीतियों पर चिंतन- मनन करें

नेतृत्व की दक्षताएँ	मैं इन दक्षताओं को स्वयं में कैसे विकसित कर सकता/ती हूँ?	मैं शिक्षकों को कौन- कौन से अवसर प्रदान कर सकता/ती हूँ ताकि वे बेहतर पेशेवर अभ्यास के साथ- साथ शिक्षक नेतृत्व के रूप में विकसित हो सकें?	मैं विद्यार्थियों को कौन- कौन से अवसर प्रदान कर सकता/ती हूँ ताकि वे सीखते हुए विकासशील नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित हो सकें?
शारीरिक एवं मानसिक			
सामाजिक – भावनात्मक			
आत्म चिंतन			
संप्रेषण			
विकासशील मानसिकता (Growth mindset)			
दृढ़ता			
अभिप्रेरणा			
सहयोग			
कोचिंग			
मेंटरिंग			
कार्यों एवं व्यवहारों का प्रदर्शन (Demonstration)			
रोल मॉडलिंग			
प्राथमिकता तय करना			
अनुकूलन क्षमता (Adaptability)			
बहु-कुशलता			
पर्यवेक्षण (Supervision)			
परामर्श			
विवाद समाधान			
डिजिटल प्रवाह (Digital fluency)			
समस्या-समाधान			
नवाचार			
निर्णय क्षमता			
प्रतिस्कंदन (Resilience)			

“

देश की प्रगति के लिए शिक्षा और चरित्र निर्माण सबसे महत्वपूर्ण हैं
– एक सशक्त नेतृत्व इन्हीं सिद्धांतों पर आधारित होता है।

- पंडित मदन मोहन मालवीय

आइए कुछ प्रमुख दक्षताओं पर चर्चा करें

प्रतिस्कंदन (Resilience)

सकारात्मकता, धैर्य एवं समृद्धि बनाये रखते हुए, विपरीत परिस्थितियों में बाधाओं का सफ़लतापूर्वक सामना करने की क्षमता।

कार्यों एवं व्यवहारों का प्रदर्शन (Demonstration)

दक्षताओं के निर्माण के उद्देश्य से विशेष व्यवहार, कार्य या विश्वास कैसे काम करता है, इसकी एक व्यावहारिक प्रदर्शनी है।

मानसिकता (Mindset)

ऐसी धारणाओं का एक समूह जो यह निर्धारित करता है कि कोई व्यक्ति अपने आस-पास की दुनिया एवं स्वयं को कैसे समझता है।

दृढ़ता (Grit)

लम्बी अवधि तक विभिन्न बाधाओं के बावजूद किसी लक्ष्य के प्रति उत्साह और दृढ़ता प्रदर्शित करने की दक्षता।

संप्रेषण (Communication)

मौखिक, गैर-मौखिक, लिखित एवं सक्रिय श्रवण विधियों के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करने एवं दूसरों के साथ कार्य करने की दक्षता।

अनुकूलन क्षमता (Adaptability)

दृढ़ इच्छाशक्ति से स्वयं को किसी भी परिस्थिति में ढालना; प्रतिकूल परिस्थितियों को अनुकूल परिस्थितियों में बदलने की दक्षता।

विकासशील मानसिकता (ग्रोथ माइंडसेट)

किसी व्यक्ति के प्रदर्शन एवं सीखने पर मानसिकता के प्रभाव पर डॉ. कैरोल एस. ड्वेक द्वारा किए गए शोध ने दिलचस्प तथ्य सामने लाए हैं। उनका अध्ययन इस बात पर केंद्रित है कि कैसे एक वयस्क या विद्यार्थी प्रदर्शन एवं सफलता के सन्दर्भ में 'जड़ित' सोच रखता है व जन्मजात क्षमताओं पर अधिक भरोसा करता है; जबकि एक सीखने के लक्ष्य वाला विद्यार्थी अधिक सीखने के लिए दिलचस्प एवं चुनौतीपूर्ण कार्यों को अपनाता है। ऐसा व्यक्ति अथवा विद्यार्थी जिसकी सोच विकासात्मक होती है वह जीवन में असफलताओं पर काबू पाते हुए शैक्षणिक क्षेत्र एवं जीवन में आगे बढ़ता है।

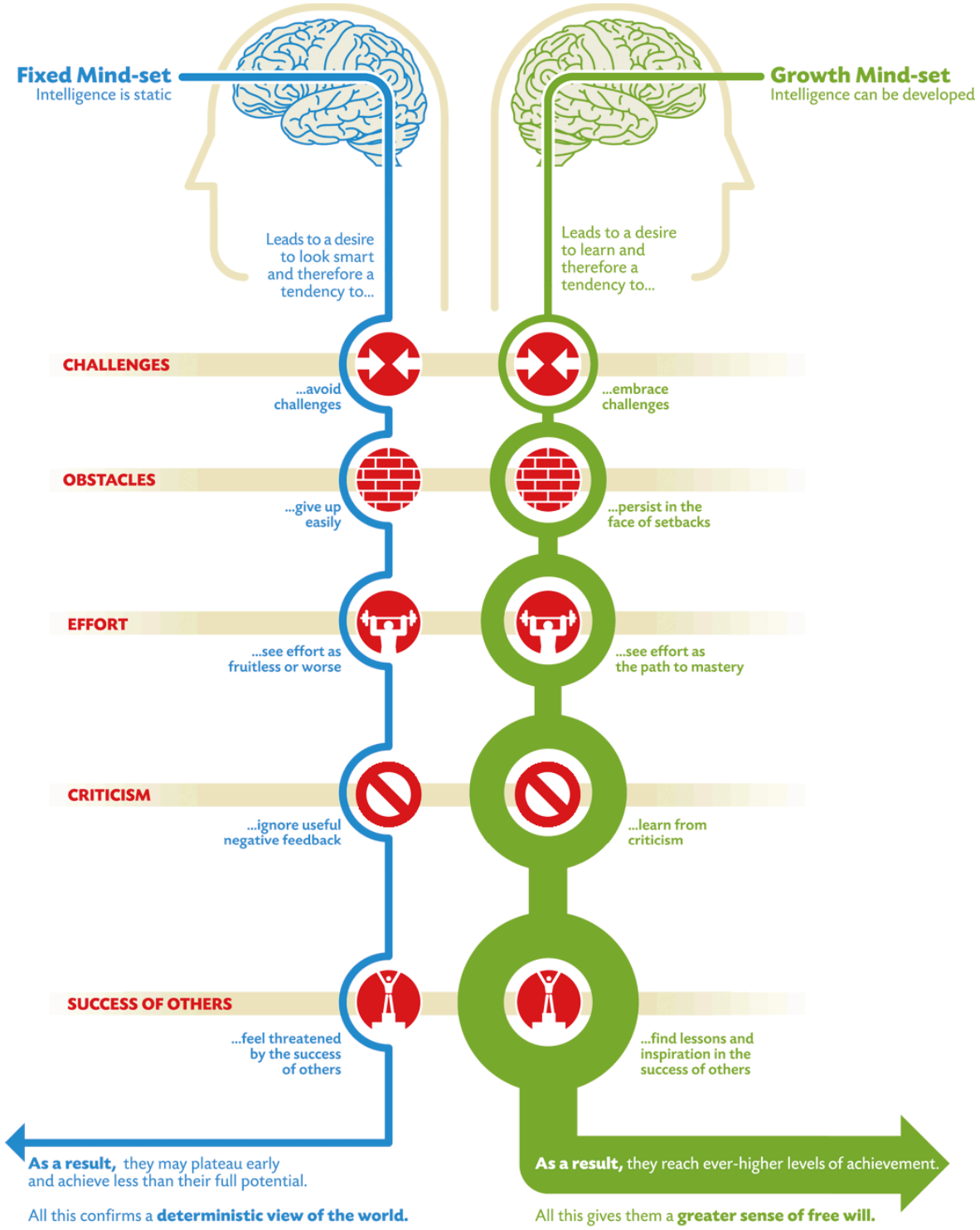

स्त्रोत: https://www.mindsetworks.com/science/Impact

गतिविधि

नीचे दी गई गतिविधि में कथनों का एक सेट है जो फिक्स्ड एवं ग्रोथ माइंडसेट को दर्शाता है। आप दिए गए कथनों का बारीकी से अध्ययन करें एवं नीचे दी गई तालिका में उन्हें वर्गीकृत करें:

1. बुद्धिमता एवं रचनात्मक क्षमताएँ 'जड़ित' हैं।
2. सहायता एवं मार्गदर्शन लेना अज्ञानता का मानदंड है।
3. छात्रों को 'चतुर' या 'धीमी गति से सीखने वाले' के नाम से सम्बोधित किया जाना।
4. चुनौतीपूर्ण कार्य करने से प्रसन्नता मिलना।
5. चुनौतियों पर कामयाबी हासिल करना।
6. असफलता को आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखना।
7. लगातार यह महसूस होना कि स्वयं को कुछ नहीं आता।
8. प्रयासों के माध्यम से आंतरिक क्षमताओं को विकसित एवं निखारा जा सकता है।
9. सीखने का उत्साह ।
10. चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकारना।
11. सफलता से तात्पर्य वरिष्ठता स्थापित करना है।
12. "स्मार्ट" लोग (वयस्क/छात्र) कभी गलती नहीं करते।
13. कड़ी मेहनत करने वाले लोग (वयस्क/छात्र) दीर्घकाल में अधिक सफल होते हैं।
14. प्रयास एक अभिलाषित मूल्य है।
15. सफलता तब मिलती है जब वयस्क एवं छात्र सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।
16. वास्तविक क्षमता स्थिर होती है।
17. जोखिम से डरना।
18. वर्तमान क्षमताओं के लिए अन्य से अनुमोदन माँगना।
19. स्वयं की वास्तविक क्षमताओं का विस्तार, उत्साह, परिश्रम एवं दृढ़ता के माध्यम से किया जा सकता है।
20. असफलता अंत है।

फिक्स्ड माइंडसेट	ग्रोथ माइंडसेट
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

"नेतृत्व का मतलब सिर्फ लोगों का मार्गदर्शन करना नहीं, बल्कि उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना भी है।"

- सुभाष चंद्र बोस

प्रमुख सन्देश

एक पीएमश्री नेतृत्वकर्ता के रूप में, आपको स्वयं में विकासशील मानसिकता (Growth Mindset) विकसित करनी होगी और दूसरों को भी इसे विकसित करने के लिए प्रेरित करना होगा।

दृढ़ता

डॉ. एंजेला ली डकवर्थ इस टेड (TED) टॉक में दृढ़ता की दक्षता का अन्वेषण करती हैं।इस वीडियो को सुनें एवं निष्कर्ष निकालें:

स्त्रोत: https://www.youtube.com/watch?v=H14bBuluwB8

चिंतन मनन के प्रश्न

1. विद्यार्थियों की सफलता के निर्धारक क्या हैं?
2. शिक्षकों को स्वयं का बेहतर प्रदर्शन करने के लिए क्या प्रेरित रखता है?
3. मैं अपने विद्यालय में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक सुदृढ़ कार्योन्मुखी वातावरण कैसे विकसित करूँ?
4. विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों को क्या प्रभावित करता है?

विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के लिए निहितार्थ:

- कार्यों में संलग्न रहते हुए आंतरिक प्रेरणा प्राप्त करने की रणनीतियों पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें।
- जन्मजात बुद्धिमत्ता नहीं, बल्कि उत्साह एवं दृढ़ता सफलता के महत्वपूर्ण सूचक हैं, इसलिए इन मूल्यों को विद्यार्थियों के व्यवहार में शामिल करना आवश्यक है।
- मस्तिष्क नई चुनौतियों के अनुसार विकसित होता है, अतः शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नई चुनौतियों का सामना करने एवं सीखने के रोमांचक अवसर पैदा करने के लिए प्रेरित करें।
- असफलता कोई स्थाई स्थिति नहीं है, इसलिए विद्यार्थियों को असफलताओं को स्वीकार करने, उनसे सीखने एवं अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- शिक्षकों एवं छात्रों में विकासशील मानसिकता विकसित करें।

> “सच्चा नेतृत्व वही होता है, जो लोगों को स्वतंत्र रूप से सोचने और आगे बढ़ने की प्रेरणा दे।”
>
> - रवींद्रनाथ टैगोर

सीखने के सन्दर्भ में विद्यालय नेतृत्व पर प्रासंगिक मॉडल

निर्देशात्मक नेतृत्व

विद्यालय नेतृत्वकर्ता की भूमिका को विशेष रूप से शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण माना गया है, जिसमें पाठ्यक्रम प्रबंधन और छात्र अधिगम के लिए निर्देशात्मक लक्ष्यों को परिभाषित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सीखने के लिए नेतृत्व

एक व्यापक मॉडल है, जिसमे नेतृत्व मूल्य, शिक्षक पेशेवर विकास, विद्यालय संदर्भ की समझ एवं नेटवर्किंग को विद्यालय के परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। यह हर हितधारक को एक आजीवन 'शिक्षार्थी' बनने पर ज़ोर देता है।

शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व

इस सिद्धांत पर आधारित है कि विद्यालय नेतृत्वकर्ता एवं शिक्षक, शिक्षण प्रक्रियाओं के ज्ञाता एवं अभ्यासकर्ता होते हैं, जो छात्रों की दक्षताओं का निर्माण करते हैं। विद्यालय नेतृत्वकर्ता, शिक्षक पेशेवर विकास को सुविधाजनक बनाता है, सकारात्मक विद्यालय संस्कृति को बढ़ावा देता है और छात्रों के सीखने के अवसरों को उपयुक्त बनाता है।

> नेतृत्व का आधार केवल बाहरी शक्ति नहीं, बल्कि आंतरिक ज्ञान और आत्मसंयम होना चाहिए।
>
> - श्री अरबिंदो

शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व

शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व, एक विद्यालय नेतृत्वकर्ता द्वारा विभिन्न शिक्षाशास्त्रों की गहरी समझ एवं अनुप्रयोग के माध्यम से एक विद्यार्थी-केंद्रित विद्यालय संस्कृति बनाने के लिए विकसित की गई दक्षताओं को संदर्भित करता है।

- विद्यालय के लिए एक दृष्टिकोण विकसित करता है जो विद्यार्थियों की दक्षताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से नवाचारी शिक्षाशास्त्रीय क्रियान्वयनों पर केंद्रित है।
- शिक्षक के पेशेवर विकास को सुगम बनाता है।
- शिक्षकों को चिंतनशील अभ्यासकर्ताओं के रूप में विकसित करता है ताकि वे तथ्य आधारित शिक्षक अभ्यास में संलग्न हों।
- सकारात्मक विद्यालय संस्कृति को प्रोत्साहन देता है जो 'सीखने' पर केंद्रित है।
- शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए सीखने के अवसरों को बढ़ाता है।
- विद्यार्थियों के सीखने के लिए शिक्षकों के साथ शिक्षाशास्त्रीय योजनाएँ विकसित एवं क्रियान्वित करता है।

शिक्षक पेशेवर विकास के लिए रणनीतियाँ

- शिक्षकों के बीच सहकर्मी चर्चा
- कक्षाओं एवं अन्य विद्यालयों का अवलोकन दौरा
- शिक्षकों के पेशेवर विकास के लिए विशेष रूप से गठित शिक्षकों के नेटवर्क जैसे पेशेवर अधिगम समुदायों (Professional Learning Communities) में भागीदारी
- पेशेवर रुचि के किसी विषय पर व्यक्तिगत या सहयोगात्मक अनुसंधान
- मेंटरिंग एवं कोचिंग
- चिंतनशील अभ्यास की तकनीक सीखना
- एक्शन रिसर्च
- सम्मेलनों या संगोष्ठी में भाग लेना एवं प्रस्तुत करना
- शिक्षण अभ्यास में सुधार के लिए विद्यार्थी के सीखने के तथ्यों का उपयोग करना
- डिजिटल दक्षताओं का उन्नयन

आप शिक्षक पेशेवर विकास की अन्य कौन सी रणनीतियों के बारे में सोच सकते हैं?

शिक्षाशास्त्र को क्रियान्वित करने के लिए नेतृत्वकर्ता द्वारा उठाये गए कदम

विद्यालय नेतृत्वकर्ता द्वारा आत्मसात एवं अभ्यास की गई नेतृत्व दक्षताएँ उन शिक्षकों के लिए सहायक साबित होती हैं जो स्वयं को विकसित करने के लिए प्रेरित होते हैं। इसके अतिरिक्त, सक्षम विद्यालय नेतृत्वकर्ता विद्यार्थियों के विकास एवं उन्हें सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए एक अनुकूल अधिगम संस्कृति के निर्माण हेतु निरंतर ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण एवं मूल्यों का एक ढांचा तैयार करते हैं।

- आपके अनुसार, आपके विद्यार्थियों में कौन - कौन सी दक्षताएँ विकसित होनी चाहिए?
- आप अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को किस प्रकार की मानसिकता का अभ्यास करते देखना चाहते हैं?
- आप शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दृढ़ता का अभ्यास करने के लिए कैसे प्रेरित करेंगे?

पीएमश्री विद्यालय नेतृत्वकर्ता की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका एक अकादमिक पर्यवेक्षक की होती है, जो विद्यालय में सभी ग्रेड्स एवं सभी विषय आधारित संचालन में 'कार्यरत' शिक्षाशास्त्रीय प्रक्रियाओं की बारीकी से जाँच करता है। जब शिक्षाशास्त्रीय प्रक्रियाएं विद्यार्थी केंद्रित होती हैं एवं सर्वांगीण विकास का लक्ष्य रखती हैं, तो विद्यार्थी दक्षता स्तर एवं सीखने के परिणामों पर तेजी से प्रगति करते हैं। यहाँ एक तालिका दी गई है जो एक शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्वकर्ता के लिए एक चेकलिस्ट के रूप में कार्य कर सकती है जिससे वह कक्षाओं के भीतर एवं बाहर विभिन्न शिक्षाशास्त्रों के अनुप्रयोगों; शिक्षकों द्वारा शुरू की गई संबंधित प्रक्रियाओं एवं विद्यार्थियों द्वारा अर्जित एवं प्रदर्शित की गई दक्षताओं का निरीक्षण कर सके।

शिक्षाशास्त्रीय विधियाँ	प्रक्रियाएँ	विद्यार्थियों में कौन-कौन सी दक्षताओं का विकास हुआ?
भागीदारी को प्रोत्साहन देना	• खुला विचार-विमर्श • प्रश्न करना • सहकर्मियों के साथ चर्चा करना • विभिन्न विषयों एवं अवधारणाओं के मध्य संबंध विकसित करना • विद्यार्थियों को अपनी बात रखने के अवसर प्रदान करना • विषयवस्तु सृजक के रूप में विद्यार्थियों की भूमिका • पूछताछ-आधारित समूह अधिगम को प्रोत्साहन देना	• आत्मविश्वास • अभिव्यक्ति • सृजन की स्वायत्तता • अधिसंज्ञान
वैयक्तिक अधिगम	• ज्ञान में व्यक्तिगत संलग्नता, समस्या का प्रस्तुतीकरण • भयमुक्त अभिव्यक्ति • अध्यापकों के साथ संवाद • स्व-अधिगम के लिए प्रोत्साहन • स्व-निर्देशित अधिगमकर्ता • सृजनात्मक अधिगम गतिविधियों का निर्माण • विद्यालय में अतिरिक्त उपलब्ध अवसरों का प्रयोग करना	• आश्चर्य के भाव • जिज्ञासा • सीखना, असफल होना एवं पुनः सीखने की स्वतंत्रता

परियोजना व समस्या आधारित	• वास्तविक जीवन के आधार पर समस्या का प्रस्तुतीकरण करना तथा सहयोगात्मक समाधान निकालना • पाठ्यक्रम लक्ष्यों को परियोजना प्रतिफलों से जोड़ना • किसी एक स्थान अथवा किसी एक स्रोत तक सीमित न रहना	• प्रश्न करना तथा समालोचना करना • समालोचनात्मक सोच • तर्कशीलता • खोज/जाँच • प्रस्तुतीकरण की स्वायत्ता
सहयोग एवं संप्रेषण	• पूछताछ आधारित • प्रारूप आधारित	• ई-ड्राफ्टिंग • समालोचना • प्रदर्शनी/प्रस्तुतीकरण
अधिगमकर्ता की भागीदारी को सुनिश्चित करना तथा उन्हें प्रेरित करना	• अधिगमकर्ता की रूचि विकसित करना • भागीदारी सुनिश्चित करना • विविध व्यवस्थाओं व समावेशन को प्रोत्साहित करना • विश्वास को प्रोत्साहित करना	• सामाजिक उत्तरदायित्व • पारस्परिक सांस्कृतिक संवेदनशीलता • अर्थ व उद्देश्य • भावनात्मक बौद्धिकता
सृजन व नवाचार का संचार करना	• सामाजिक सरोकार • मिलकर विचार करना	• विचार निर्माण • नवीनता • सामाजिक उत्तरदायित्व

स्त्रोत: अडैप्टेड फ्रॉम यूनेस्को. 2021. रीइमेजिनिंग अवर फ्यूचर टुगेदर - ए न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट फॉर एजुकेशन.
https://unesdoc.unesco.org/ark:/48223/pf0000379707

विद्यालय में सीखने की संस्कृति विकसित करना

विद्यालय नेतृत्वकर्ताओं के सतत् पेशेवर विकास के लिए नेतृत्व विकास के मार्ग

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र, नीपा, पेशेवर विकास एवं सीखने की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने हेतु विद्यालय प्रमुखों के अधिगम पथ के रूप में नेतृत्व विकास मार्ग को परिभाषित करता है। विद्यालय नेतृत्वकर्ता, नेतृत्व के अपने पेशेवर अभ्यास को सुदृढ़ करने के लिए एक या अधिक नेतृत्व विकास मार्ग चुन सकते हैं।

- विभिन्न हितधारकों व विद्यालय के संदर्भ की पहचान करना व समझ बनाना
- कार्य- संबंधित ज्ञान एवं कौशलों की प्राप्ति
- आत्म-निर्देशित अधिगम
- सहकर्मी विद्यालय प्रमुखों के साथ नेटवर्किंग तथा पेशेवर अधिगम समुदाय का प्रतिभाग
- अगली पीढ़ी के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना

इसके बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए मॉड्यूल को पढ़ें।

स्त्रोत: http://ncsl.niepa.ac.in/document/module%201.pdf

“ नेतृत्व का अर्थ केवल शासन करना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक और शिक्षित करना भी है।

- राजा राम मोहन राय

विद्यालय नेतृत्व विकास: पाठ्यचर्या के 7 प्रमुख क्षेत्र

विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रम की रूपरेखा एवं पाठचर्या का ढांचा सात प्रमुख क्षेत्रों को रेखांकित करता है (राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र 2015)। ये प्रमुख क्षेत्र स्पष्ट रूप से परिभाषित उद्देश्यों एवं विषयवस्तु क्षेत्रों के साथ विद्यालय के नेतृत्वकर्ता को संपूर्ण विद्यालय विकास के लिए बदलाव लाने एवं नेतृत्व करने के लिए तैयार करते हैं।

स्त्रोत: https://ncsl.niepa.ac.in/materials/hindi_national_pdcfsld.pdf

सच्चा नेतृत्व वही है, जो दूसरों को उनकी शक्ति का एहसास कराए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाए।

- स्वामी विवेकानंद

सन्दर्भ

डवेक, कैरोल. एस. 2017. माइंडसेट- चेंजिंग द वे यू थिंक टू फुलफिल योर पोटेंशियल. द रैंडम पब्लिशिंग हाउस, न्यूयॉर्क, यू.एस.

डकवर्थ, एंजेला. 2017. ग्रिट- व्हाई पैशन एंड रेजिलिएंस आर द सीक्रेट्स टू सक्सेस. पेंगुइन रैंडम हाउस, यू.के.

नीपा, नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप. 2015. नेशनल प्रोग्राम डिजाइन एंड करिकुलम फ्रेमवर्क ऑन स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट. https://ncsl.niepa.ac.in/materials/hindi_national_pdcfsld.pdf

नीपा, नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप. 2022. लीडरशिप पाथवेज़ टू कंटिन्यूअस प्रोफेशनल डेवलपमेंट. 2022. http://ncsl.niepa.ac.in/document/module%201.pdf

यूनेस्को. 2021. रीइमेजिनिंग अवर फ्यूचर टुगेदर - ए न्यू सोशल कॉन्ट्रैक्ट फॉर एजुकेशन. https://unesdoc.unesco.org/ark:/48223/pf0000379707

स्वयं का मूल्यांकन करें

क्विज़ को अटेम्प्ट करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeNo-gIb2zxwrCLIF6o2wQ4Sfm0_PT0DEd43coMvDREZ4PwgA/viewform?usp=sharing

पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें

https://drive.google.com/drive/folders/1wnpml3rjZO3ZMELWzdw1ehxXZh6dRbY4

क्विज़ को अटेम्प्ट करने के लिए नीचे दिए गए QR कोड को स्कैन करें

पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए QR कोड को स्कैन करें